

**12 Homens com uma missão | Habacuque e o Soberano - Texto: Habacuque**

**Introdução**

*Hc 1.2-4*

**Capítulo 1: A perplexidade humana diante de Deus**

**Quando Deus não resolve - Hc 1.2**

**Quando Deus complica - Hc 1.5-11,12-17**

**Quem entende esse Deus? - Hc 2.1; Hc 1.11,16**

**Capítulo 2: A resposta de Deus à perplexidade humana**

*Visão para um tempo - Hc 2.2-3*

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

*Certeza dos 'Ais' - Hc 2.5,6-11,12-13,15-17,18-19*

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

*Glória do Senhor - Hc 2.14*

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

*Advertência - Hc 2.4,20*

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**Capítulo 3: A postura que Deus espera de nós**

*Oração - Hc 3.1-2, 3-15,16-19*

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**Conclusão:**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---